RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 08 अंक-42 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 18 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2022 पृष्ठ-8 मूल्य -2

सरयू किनारे होने वाले छठे दीपोत्सव में शिरकत करेंगे पीएम मोदी, रामलला के दर्शन कर लेंगे मंदिर निर्माण का जायजा

इस बार पीएम मोदी सरयू नदी के तट पर ग्रीन और डिजिटल आतिशबाजी देखेंगे और दीपदान करेंगे। अयोध्या में दीपावली पर 15 लाख दीपक जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावों की तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस सप्ताह काफी व्यस्त तीर्थ भ्रमण कार्यक्रम है। छोटी दीपावली पर उनका अयोध्या पहुंचने का कार्यक्रम है। वह वहां पर दीपोत्सव में भाग लेंगे। रविवार (23 अक्टूबर 2022) को वह अयोध्या पहुंचेंगे और वहां भगवान श्री रामलला विराजमान की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वह राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र स्थल का निरीक्षण भी करेंगे और मंदिर निर्माण का जायजा लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री ''भगवान राम के राज्याभिषेक'' कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।

इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरयू नदी के तट पर ग्रीन और डिजिटल आतिशबाजी देखेंगे और दीपदान करेंगे। अयोध्या में दीपावली पर 15 लाख दीपक जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। अयोध्या से पहले पीएम मोदी शुक्रवार को उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ के प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन करने जाएंगे। वह वहां दर्शन और पूजा के बाद विकास कार्यों का भी निरीक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री वहां रिवरफ्रंट विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा माणा गांव में सड़क और रोपवे परियोजना की आधारशिला रखेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी केदारनाथ, बद्रीनाथ और अयोध्या के साथ दो दिन के लिए गुजरात में भी रहेंगे। वह करीब 15,670 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। 19 अक्टूबर को पीएम मोदी पांच अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वह महात्मा मंदिर, गांधीनगर में डेफएक्सपो 22 का उद्घाटन करेंगे। वह अदलज में मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ करेंगे। जूनागढ़ में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे झ

त्तराखंड के दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित कार्यक्रम ''गृह प्रवेशम'' में शिरकत करेंगे और लाभार्थियों को घर की चाबी सौंपेंगे। वह युवाओं से जुड़े एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडिया अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव 2022 का उद्घाटन करेंगे और राजकोट में कई प्रमुख परियोजनाओं को समर्पित

और आधारशिला रखेंगे। वह नए निर्माण तरीकों की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन करेंगे। 20 अक्टूबर को प्रधान मंत्री मिशन लाइफ का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद केवड़िया में मिशन प्रमुखों के 10वें सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसके बाद वे व्यारा में विभिन्न विकास पहलों की आधारशिला रखेंगे।

गुजरात में आप ज्यादा ताकतवर या कांग्रेस? जानिए क्या कहता है सी-वोटर का ओपिनियन पोल

सी-वोटर ने लोगों से पूछा कि गुजरात में भाजपा की लड़ाई किससे देख रहे हैं तो 46 फीसदी लोगों ने कहा कि आम आदमी पार्टी, जबकि 40 फीसदी लोगों ने कहा कि मुख्य मुकाबले में कांग्रेस रहेगी। हालांकि 14 फीसदी लोगों ने कहा कि पता नहीं है।

गुजरात चुनाव में राजनीतिक दलों की जीत-हार को लेकर सर्वे शुरू हो गये हैं। जनता की राय और राजनीतिक दलों की तैयारी पर पर चुनावी विश्लेषण भी होने लगे हैं। टीवी चैनलों के डिबेट में नेताओं और सियासी दलों के प्रवक्ताओं के दावों पर सर्वे में लोगों की राय अलग-अलग है। एबीपी न्यूज और सी-वोटर के सर्वे में लोगों के रुझान बताते हैं कि मुख्य लड़ाई में भाजपा और आम आदमी पार्टी रहेगी।

सर्वे के दौरान सी-वोटर ने लोगों से पूछा कि गुजरात में भाजपा की लड़ाई किससे देख रहे हैं तो 46 फीसदी लोगों ने कहा कि आम आदमी पार्टी, जबकि 40 फीसदी लोगों ने कहा कि मुख्य मुकाबले में कांग्रेस रहेगी। हालांकि 14 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्होंने अभी इस पर कुछ सोचा नहीं है।

इस बीच गुजरात में आम आदमी पार्टी (क्क) की सक्रियता और सत्ताधारी भाजपा की लगातार रैलियां और सभाएं चुनाव को बहुत रोचक बनाने जा रही हैं। सर्वे में लोगों से पूछा गया कि गुजरात में कांग्रेस मौन रहकर भी आप से मजबूत है या नहीं तो 54 फीसदी लोगों ने कहा कि हां है, लेकिन 46 फीसदी लोगों ने कहा कि नहीं है। राज्य में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच वोटों के बंटने के संकेत हैं सवाल पर 52 फीसदी ने कहा कि हां, लेकिन 48 फीसदी लोगों ने कहा नहीं, यह नहीं हो सकता है।

44 फीसदी लोगों ने कहा क्ककी वजह से कांग्रेस का नुकसान होगा

आम आदमी पार्टी की वजह से गुजरात में कांग्रेस के नुकसान होने के सवाल पर 44 फीसदी लोगों ने कहा बहुत ज्यादा होगा, जबकि 33 फीसदी लोगों ने कहा थोड़ा और 23 फीसदी लोगों का जवाब था कि नहीं होगा। गुजरात में अभी चुनावों की तिथियां घोषित नहीं हुई हैं, लेकिन सियासी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की चुनावी दौड़भाग तेजी से जारी है।

आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को गुजरात की जनता से अपील की 27 सालों से भाजपा को सत्ता में देखने के बाद एक बार उनकी पार्टी को भी अवसर दें और उनके काम काज को देखें। दूसरी तरफ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी को गुजरात में अपनी पूरी सरकार बदलनी पड़ेगी, क्योंकि उसने लोगों के लिए कुछ नहीं किया है।

पीएम मोदी की मौजूदगी में भाजपा की बड़ी बैठक, हिमाचल में उम्मीदवारों के नाम पर लग सकती है मुहर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भाजपा की नवगठित केंद्रीय चुनाव समिति की पहली और बड़ी बैठक के दिल्ली पार्टी मुख्यालय में जारी है। आज के इस बैठक में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर मुहर मुहर लगाई जाएगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, संगठन महामंत्री बीएल संतोष, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा सहित चुनाव समिति के अन्य सदस्य भी शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक हिमाचल प्रदेश की सभी 68 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को लेकर मंथन किया जा रहा है। वर्तमान विधायकों के रिपोर्ट कार्ड भी देखे जा रहे हैं। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर मुलाकात की थी।

हिमाचल भाजपा की कोर कमेटी ने केंद्रीय नेतृत्व को पहले ही जिताऊ प्रत्याशियों के नाम भेज दिए हैं। पार्टी की ओर से फाइनल मुहर लगाया जाना फिलहाल बाकी है। सूत्रों ने बताया है कि ज्यादातर विधायकों को चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है। इसके अलावा कांग्रेस और अन्य दलों से जो नेता पार्टी में आए हैं, उनको भी टिकट मिल सकता है। सीईसी के अन्य सदस्यों में पूर्व सांसद सत्यनारायण जटिया, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनावाल, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, वरिष्ठ नेता ओम माथुर, राज्यसभा सदस्य के लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा और सुधा यादव शामिल हैं। इनके अलावा बैठक में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और हिमाचल भाजपा के अध्यक्ष सुरेश कश्यप भी शामिल हुए।

आपको बता दें कि हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। मतगणना आठ दिसंबर को होगी। राज्य विधानसभा में, भाजपा के अभी 43 जबकि कांग्रेस के 22 सदस्य हैं। सदन में दो निर्दलीय सदस्य और माकपा का एक सदस्य है। राज्य में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है। आम आदमी पार्टी (आप) भी यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए प्रयासरत है। चुनाव की अधिसूचना आज जारी की जाएगी और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर है।

सम्पादकीय

हादसों की उड़ान

उत्तराखंड के केदारनाथ में श्रद्धालुओं को ले जा रहे एक हेलिकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से सात लोगों की मौत हो गई।दुर्घटना की वजह खराब मौसम और घना कोहरा बताई जा रही है। इस दुर्घटना से एक बार फिर पहाड़ी इलाकों में चलाई जा रही हेलिकाप्टर सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्था रेखांकित हुई है। कई धार्मिक स्थलों पर दुर्गम रास्तों और ऊंची चढ़ाई की वजह से हेलिकाप्टर सेवाएं चलाई जाती हैं, ताकि बुजुर्ग और शारीरिक रूप से अक्षम लोग सुगमता से यात्रा कर सकें। ये सेवाएं ज्यादातर निजी कंपनियां चलाती हैं।

जाहिर है, इसमें उनका व्यावसायिक हित जुड़ा होता है। हालांकि कोई भी कंपनी अपनी संपत्ति, साख और अपने यात्रियों की सुरक्षा की कीमत पर कमाई करने का दुस्साहस नहीं करती, पर ऐसे मामलों में उनकी बुनियादी तकनीकी पहलुओं की अनदेखी जरूर रेखांकित होती है। यह ठीक है कि पहाड़ी इलाकों में कई बार मौसम अचानक खराब हो जाता है और हवाई उड़ानों के लिए मुश्किलें पैदा हो जाती हैं, मगर हवाई सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों के पास मौसम के पूर्वानुमान का तंत्र भी होता है। जब मौसम के पूर्वानुमानों के आकलन में लापरवाही या गड़बड़ी होती है, तभी इस तरह के हादसे होते हैं।

केदारनाथ में जिस जगह ताजा हादसा हुआ, वहां पहले भी हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। पिछले नौ सालों में उस इलाके में पांच हेलिकाप्टर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। उनमें चार मौसम की खराबी की वजह से हुईं। फिर जिस हेलिकाप्टर ने यात्रियों को लेकर उड़ान भरी, उसने इस जोखिम को गंभीरता से क्यों नहीं लिया, हैरानी की बात है। बताया जा रहा है कि घने कोहरे की वजह से रास्ता साफ नहीं दिखा और उड़ान भरने के पंद्रह मिनट बाद हेलिकाप्टर जमीन से टकरा कर ध्वस्त हो गया।

ऐसा नहीं माना जा सकता कि घने कोहरे का अनुमान उस पायलट को नहीं रहा होगा या उसे मौसम संबंधी जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई गई होंगी। उड़ान भरने से पहले हर पायलट को सबसे पहले मौसम संबंधी सूचनाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, ताकि वह उड़ान भरने से पहले और बाद में अपनी रणनीति तैयार कर सके। अगर वातावरण में दृश्यता कम है, तो आमतौर पर चालक उड़ान नहीं भरते।

पहाड़ी इलाकों में वैसे भी दृश्यता कम होना जोखिम भरा होता है, क्योंकि वहां पहाड़ों की ऊंचे-नीचे होने का अंदाजा न होने से दुर्घटना की संभावना अधिक होती है। हालांकि हेलिकाप्टर और विमानों में कंप्यूटरीकृत प्रणाली से पता चलता रहता है कि वह कितनी ऊंचाई पर उड़ रहा है, मगर पहाड़ों पर वह प्रणाली आगे के रास्ते का अनुमान नहीं दे सकती।

इसलिए पहाड़ी स्थानों पर चलाई जा रही ऐसी निजी हेलिकाप्टर सेवाओं को अधिक भरोसेमंद बनाने की जरूरत रेखांकित की जाती रही है। ऐसी जगहों पर अधिक दक्ष चालकों की जरूरत होती है। कई बार कुछ चालक अधिक आत्मविश्वास की वजह से भी मौसम की परवाह नहीं करते और उड़ान भर लेते हैं। कई बार कंपनियां लगातार सेवाएं देने और अधिक कमाई करने के दबाव में हेलीकाप्टरों के रखरखाव पर उचित ध्यान नहीं दे पातीं।

ऐसी प्रवृत्तियां अंततः लोगों की जान के साथ खिलवाड़ साबित होती हैं। अब घटना की असली वजहों की जांच हो रही है, पर इस बात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि हेलिकाप्टर सेवाओं के संचालन संबंधी नियमों में सुरक्षा मानकों पर नए सिरे से विचार की जरूरत है। अगर इस तरह के हादसे बार-बार हो रहे हैं, तो उनकी खामियों की पहचान और उनका समाधान निकाला ही जाना चाहिए।

संपादक
गोपाल गावंडे

सुशासन और समावेशी विकास

बीते पचहत्तर वर्षों में विकास परत-दर-परत अनवरत हुआ है।

स्वतंत्रता के बाद संविधान लागू होने के साथ-साथ विकास का प्रशासन और प्रशासनिक विकास समेत सामुदायिक और सामाजिक विकास की अवधारणा को भी बल मिला था। मगर सशक्त समावेशी ढांचे का निर्माण करने में अब तक सफलता नहीं मिल पाई है। आज भी गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, सड़क, सुरक्षा आदि से जुड़ी समस्याएं समाधान की मांग करती हैं।

शासन वही अच्छा माना जाता है, जिसका प्रशासन अच्छा होता है और दोनों तब अच्छे होते हैं जब लोक कल्याण होता है। कम लागत में अधिक लोक कल्याण की योजनाओं की जरूरत भारत जैसे तीसरी दुनिया के देशों में अधिक है। इसका मूल कारण यहां आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया है। अगर इस तर्क को असंगत ठहराना है, तो यह बात पुख्ता तौर पर सिद्ध करनी होगी कि भारत की आधारभूत संरचना और समावेशी विकास सर्वोदय की स्थिति को प्राप्त कर चुके हैं।

हालांकि नव-लोकप्रबंधन कोई प्रशासनिक सिद्धांत नहीं है और न ही कोई आंदोलन, बल्कि यह दोनों का मिश्रण है, जहां हर हाल में बेहतरी की खोज बनी रहती है, जो निजी हित के साथ-साथ पूरे समाज के लिए बेहतर की गुंजाइश पैदा करती है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में लोकप्रबंधन के नए आयामों में लोक कल्याणकारी व्यय को घटाया गया है। मसलन, रसोई गैस आदि से सबसिडी समाप्त करना, लोक उद्यमों का विनिवेश, निजीकरण और उनसे समझौता करना, विकेंद्रीकरण और निजी निकायों द्वारा ठेका प्रथा से कार्य करवाना आदि।

हालांकि ई-गवर्नेंस लागू करने वाली गतिविधियों को बढ़ावा नव-लोकप्रबंध और सुशासन के चलते ही मिला है। जैसे ई-बैंकिंग, ई-टिकटिंग, ई-सुविधा, ई-अदालत, ई-शिक्षा समेत विभिन्न आयामों में इलेक्ट्रानिक पद्धति के समावेशन आदि के चलते सुशासन में निहित पारदर्शिता और खुलेपन को मजबूती मिली है। इतना ही नहीं, सरकारी संगठनों का निगमीकरण, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप जैसे उपायों पर आगे बढ़ाना नव-लोकप्रबंधन के नवीन आयाम हैं।

वर्ष 1997 का नागरिक अधिकारपत्र, 2005 का सूचना का अधिकार कानून, 2006 में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस आंदोलन, प्रशासनिक सुधार के लिए आयोगों का गठन, समावेशी और टिकाऊ विकास पर अमल, स्मार्ट सिटी और स्मार्ट विलेज आदि का विकास भारत में लोकप्रबंध के नए आयाम को ही दर्शाते हैं। दरअसल, प्रशासनिक सुधार और सामाजिक परिवर्तन एक-दूसरे से तार्किक रूप से जुड़े होते हैं। प्रशासनिक सुधार राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम होता है। सरकार परिवर्तन और सुधार की दृष्टि से जितना अधिक जनोन्मुख होगी, सुशासन उतना अधिक प्रभावी होगा।हालांकि सरकारें कुशलता के साथ अर्थव्यवस्था पर तो जोर देती हैं, पर आम जनमानस में इसका प्रभाव समावेशी अनुपात में नहीं पड़ पाता, जिसके चलते पूंजीवाद का विकास होता है। हालांकि पूंजीवाद के विकास के अनेक दूसरे कारण भी हो सकते हैं। गौरतलब है कि अर्थव्यवस्था की कई परतें होती हैं। पहली परत में बाजार मुख्य संस्था होती है, वहीं दूसरी परत प्रतियोगिता के लिए जानी जाती है। एडम स्मिथ ने अपनी पुस्तक 'द वेल्थ आफ नेशन', जो अठारहवीं सदी के उत्तरार्द्ध की है, में भी पहली परत को महत्वपूर्ण माना है।भारत गांवों का देश है, मगर अब बढ़ते शहरों के चलते इसकी पहचान सिर्फ गांवों तक नहीं सिमटी है। भारत खेत-खलिहानों के साथ-साथ कल-कारखानों से युक्त हो चला है। बीते पचहत्तर वर्षों में विकास परत-दर-परत अनवरत हुआ है। स्वतंत्रता के बाद संविधान लागू होने के साथ-साथ विकास का प्रशासन और प्रशासनिक विकास समेत सामुदायिक और सामाजिक विकास की अवधारणा को भी बल मिला था। मगर सशक्त समावेशी ढांचे का निर्माण करने में अब तक सफलता नहीं मिल पाई है। आज भी गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, सड़क, सुरक्षा आदि से जुड़ी समस्याएं समाधान की मांग करती हैं।

1991 के उदारीकरण और बदलते वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ भारत में बदलाव की एक नई बयार चली। 1992 में समावेशी विकास और सुशासन की धारणा भी मूर्त रूप में उभरी, फिर भी बुनियादी विकास, मानव विकास सूचकांक और सुविधाजनक जीवन के मामले में आम जनमानस की जद्दोजहद कम नहीं हो रही है। प्रशासन और जनता के बीच संकुचित दायरे के संबंधों ने अब व्यापक आधार ले लिया है।

अध्ययन बताते हैं कि वैश्वीकरण, उदारीकरण के दौर में नौकरशाही को नई दिशा और नई संरचना देने का भी प्रयास किया गया। नव-लोकप्रबंधन एक ऐसा परिदृश्य है, जिस पर कई उत्प्रेरक तत्वों का प्रभाव पड़ा है। उसने बाजार तंत्र को उभारा, प्रतियोगिता और प्रभावशीलता को बढ़ावा दिया है। भारत जैसे देश में प्रतियोगिता नागरिकों को ग्राहक बनाती है और सफल ग्राहक वही है जो कमाई के साथ बाजार तंत्र को अंगीकृत कर सके।

हालांकि भारत में अनेक ऐसे वर्ग हैं, जो बाजार के साथ कदम से कदम मिला पाने में अक्षम हैं। विकासशील देशों का बाजार हो या उसकी प्रतियोगिता, वे बड़े तो हो जाते हैं, मगर मानव संसाधन में समुचित दक्षता और रोजगार की कमी के चलते यह माडल या तो विफल हो जाता है या फिर जनता विफल हो जाती है। जिस देश में अस्सी करोड़ नागरिकों का सरकार की ओर से मिलने वाले पांच किलो मुफ्त अनाज पर गुजर-बसर होता हो, वहां बाजार और प्रतियोगिता का अर्थ धुंधला ही बना रहता है।सुशासन की भी तीन परतें हैं, जिसमें मानव विकास सूचकांक, गरीबी सूचकांक इसके हिस्से हैं। अगर यह किसी भी स्तर पर देश में व्याप्त है तो सुशासन को आहत करता और उद्यमशीलता का दम भरने वाली सरकारों पर प्रश्नचिह्न लगाता है। मानव विकास सूचकांक 2021-22 के आंकड़े बताते हैं कि भारत 191 देशों की सूची में 132वें स्थान पर है, जबकि वैश्विक भूख सूचकांक-2021 में 101वें स्थान पर। किसी भी देश में बेरोजगारी कंगाली, बीमारी और गरीबी की जड़ है। इन दिनों भारत में बेरोजगारी दर रिकार्ड स्तर को पार कर चुकी है। गरीबी उन्मूलन की कोशिश पांचवीं पंचवर्षीय योजना से जारी है, मगर भारत में सत्ताईस करोड़ गरीब अब भी हैं। हालांकि इस पर आंकड़े अलग तरीके से भी पेश किए जाते रहे हैं।भारत विश्व का सबसे बड़ा खाद्यान्न भंडार वाला देश है, मगर यहां विश्व की खाद्य असुरक्षित आबादी का एक-चैथाई हिस्सा मौजूद है। देखा जाए तो खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के बावजूद, भर पेट भोजन बहुतों को नहीं मिल पाता है। इतना ही नहीं, खाद्य पदार्थों की कीमत भी इन दिनों काफी बढ़ी हुई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार गेहूं, आटा, चावल, दाल के साथ-साथ तेल और आलू, प्याज के भाव तेजी से बढ़े हैं।ताजा उदाहरण यह है कि चावल का भाव 9 अक्तूबर, 2022 को 37 रुपए 65 पैसा प्रति किलो था, जबकि 11 अक्तूबर को यही 38 रुपए 6 पैसे हो गया था। गेहूं और आटे में भी क्रमशः 30 रुपए 9 पैसे से 30 रुपए 97 पैसे और 35 रुपए से 36 रुपए 26 पैसे की वृद्धि देखी जा सकती है, जबकि आलू, प्याज तथा टमाटर की कीमतें भी उछाल लिए हुई हैं। यह नव-लोकप्रबंधन और सुशासन दोनों दृष्टियों से उचित नहीं है।नव-लोकप्रबंधन के नतीजे प्रतियोगिता, पारदर्शिता तथा आनुबंधिक संबंधों पर आश्रित हैं और इस प्रकार पुरानी व्यवस्था से भिन्न हैं, जबकि सुशासन लोक कल्याण, लोक सशक्तिकरण और लोक प्रवर्धित अवधारणा है, जो सर्वोदय और अंत्योदय को समाहित किए हुए है। सवाल है कि देश किससे बनता है और किसके साथ चलता है।लोकतंत्र में जनता का शासन होता है और साफ है कि कोई भी जनता समावेशी और बुनियादी विकास से अछूती रहने वाली व्यवस्था देर तक बर्दाश्त नहीं करती। अगर महंगाई, बेरोजगारी और जीवन से जुड़ी व्यवस्थाएं पटरी पर न हों, तो भारी मन से यह कहना पड़ता है कि जनता का शासन कहीं जनता पर शासन तो नहीं हो गया। हालांकि जहां सुशासन की बयार की बात हो और उद्यमशील सरकार में संतुलन का भाव व्याप्त हो, वहां लोकतंत्र और जनता का शासन ही कायम रहता है।

कत्ल का पर्दाफाश

2 हजार रुपये के लिए मार डाला

बुआ, फूफा और जीजा ही निकले आरोप, पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

इंदौर। मानपुर थाना क्षेत्र में मिली युवक की लाश के मामले में पुलिस ने पीएम रिपोर्ट के बाद हत्या का केस दर्ज किया था। इस अंधेकत्ल का पुलिस ने जांच करते हुए खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में पुलिस को पता चला कि 2 हजार रुपए की उधारी को लेकर बुआ-फूफा ने युवक की हत्या कर दी और लाश कोई ना पहचाने इस कारण मानपुर थाना क्षेत्र के बिचौली में राष्ट्रीय राजमार्ग पर फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री विरदे ने बताया कि 28 सितंबर को मानपुर थाना क्षेत्र के एबी रोड पर एक युवक की लाश मिली थी पुलिस ने जब इस मामले में जांच पड़ताल की तो इस हत्याकांड में मृतक के जीजा, बुआ-फूफा व दो भाई आरोपी निकले गए। यहां 26 सितंबर को सुनील मालीवाड़ का अपने फूफा उदयराम से विवाद हुआ था कड़ी पूछताछ में उदय राम ने बताया कि सुनील ने उसके जीजा जगदीश से 2 हजार उधार लिए थे। बार-बार मांगने पर मृतक उक्त राशि नहीं दे रहा था।

26 सितंबर को सुनील शराब के नशे में उदय राम के घर बिचोली आया जहां विवाद होने पर उदयराम के साथ विवाद करते हुए गालियां दी तथा विवाद इतना बढ़ गया कि जगदीश उदयराम नंदी बाई एकमत होकर उसके साथ मारपीट की। इस दौरान जगदीश ने पालिया से सुनील के सिर पर जोरदार प्रहार किया जिसने सुनील वही बेहोश होकर गिर पड़ा बाद में आरोपी जगदीश उदयराम तथा जितेंद्र राजू ने मिलकर मृतक सुनील की लाश को बिचोली पुलिया के पास फेंक दिया ताकि कोई उसे पहचान ना सके।

पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस हत्याकांड का पर्दाफाश करने में पुलिस अधीक्षक विर्दे के मार्गदर्शन में एसपी ग्रामीण शशिकांत कनकने एसडीओपी दिलीप चौधरी मानपुर थाना प्रभारी अमित कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शादी के 14 साल बाद दहेज में 30 लाख की मांग

दो बच्चों की मां को घर से निकाला, दहेजलोभियों पर केस दर्ज

इंदौर। शादी के करीब 14 साल बाद एक महिला दहेज प्रताडऩा का शिकार हुई। उसका आरोप है कि ससुराल वाले दहेज में 30 लाख रुपए की मांग कर रहे हैं। दहेज लाने पर दो बच्चों को घर से निकाल दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि शादी में 40 तौला सोना और लाखों रुपए का सामान मिलने के बाद भी दहेज लोभियों द्वारा सताया जा रहा है। मामले में महिला थाना पुलिस ने पति के साथ ससुराल वालों पर केस दर्ज किया है।

महिला थाना पुलिस ने बताया कि बैराठी कालोनी में रहने वाली निष्ठा की शादी नवंबर 2008 में ओरेंज काउंटी 6 बंगलो रोड के रहने वाले हितेंद्र राजदेव के साथ हुई थी। निष्ठा ने पुलिस को बताया कि सगाई में ससुराल वालों को 6 लाख रुपए नकद दिए थे। शादी में 40 तौला सोना और लाखों रुपए की गृहस्थी का सामान दिया गया था। शादी के कुछ दिनों बाद तक सब ठीकठाक चलता रहा। उसके बाद उससे नौकरों जैसा काम करवाया जाने लगा। परिवार में 15 लोग थे उनका काम अकेले निष्ठा को ही करना पड़ता था। उसकी सेहत पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जाता था। उसके बाद उसे कम दहेज को लेकर ताने मारे जाने लगे। वह सब सहती रही। इसी दौरान 2010 में उसे पुत्र रोमित और 2011 में पुत्री दुआ हुई।

बच्चे होने के बाद भी प्रताडऩा कम नहीं

दो बच्चे होने के बाद भी उस पर होने वाले प्रताडऩा में कमी नहीं आई। उससे पति हितेंद्र राजदेव,सास सरिता राजदेव और ससुर राजकुमार राजदेव दहेज में 30 लाख रुपए लाने की मांग करते हुए परेशान करने लगे। निष्ठा ने कहा कि वह इतना पैसा मायके से नहीं ला सकती तो उसके साथ मारपीट भी होने लगी। 28 सितंबर 2022 को तो ससुराल वालों ने निष्ठा को घर से ही निकाल दिया और कहा कि यदि 30 लाख नहीं लाई तो मार डालेंगे।

मांग पर अड़े रहे

कई रिश्तेदारों ने ससुराल वालों को समझाने की कोशिश की लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े रहे। निष्ठा ने महिला थाने पहुंचकर पीड़ा सुनाई। महिला थाना प्रभारी ज्योति शर्मा ने बताया कि निष्ठा राजदेव की शिकायत बाद उसके पति हितेंद्र राजदेव,सास सरिता राजदेव और ससुर राजकुमार राजदेव के खिलाफ दहेज प्रताडऩा का केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

हेलमेट पहनने वालों को पुलिस ने किया प्रोत्साहित

इंदौर। यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा दो पहिया वाहन पर सवार व्यक्ति को हेलमेट धारण करने के प्रति जागरूक करने के लिए एक अनूठा अभियान चलाया गया। इसके चलते सोमवार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश हिंगणकर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अनिल कुमार पाटीदार एवं थाना प्रभारी दिलीप सिंह परिहार के साथ यातायात प्रबंधन पुलिस की टीम ने रीगल चौराहे पर दो पहिया वाहन पर सवार हेलमेट पहने हुए जि मेदार नागरिकों को प्रोत्साहित किया।

पुलिस टीम द्वारा स्वयं हेलमेट धारण कर हाथों में हेलमेट जागरूकता संदेशों की त तीयो को लेकर रेड लाइट में स्टॉप लाइन के पीछे खड़े वाहन चालकों से हेलमेट धारण कर वाहन चलाने की अपील की गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त द्वारा ऐसे दो पहिया वाहन चालक जो स्वेछा से हेलमेट धारण किए हुए पाए गए उन्हें स मान स्वरूप गुलाब का फूल एवं यातायात जागरूकता संदेश का मग उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। पुलिस द्वारा स मान पाकर वाहन चालक ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की साथ ही यह भी बताया कि हेलमेट धारण करने से कई बार एक्सीडेंट के दौरान सिर में लगने वाली गंभीर चोटों से बचाव भी हुआ है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सड़क पर उतर कर त तियों और संदेशों के माध्यम से जागरूकता सन्देश का प्रचार.प्रसार करते हुए देखकर जिम्मेदार नागरिकों ने सराहना की।

युवती से छेड़छाड़

इंदौर। एक मनचले ने युवती का हाथ पकड़ लिया और प्यार व शादी का इजहार कर दिया। इस पर युवती ने विरोध किया तो उसे धमकाया। मामले में पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मनचले पर केस दर्ज किया है। महू पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय युवती कि शिकायत पर उसी के दोस्त रजत उर्फ बड़ा बाबू सोनकर के खिलाफ निवासी लालजी कि बस्ती महू के खिलाफ छेड़छाड़ व धमकी देने के मामले में केस दर्ज किया है। महू पुलिस के मुताबिक आरोपी क्षेत्र स्थित भंवरीलाल मिठाई मिष्ठान के पास मिला और बुरी नियत से हाथ पकड़कर बोला में तुझसे प्यार करता हुँ तुम से शादी करना चाहता हुँ, शादी से मना किया तो जान से खत्म कर दूंगा। केस दर्ज कर पुलिस मनचले की तलाश कर रही है।

10 लाख की ब्राउन शुगर के साथ पकड़ाया तस्कर

इंदौर। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत क्राइम ब्रांच की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब दस लाख रुपए की ब्राउन शुगर बरामद की है। आरोपी ने पूछताछ में शहर सहित आसपास के क्षेत्र में ब्राउन शुगर की तस्करी करना स्वीकारा है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त(अपराध) राजेश हिंगणकर ने बताया कि क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय-विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी दौरान क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर तंत्र से सूचना मिली कि, एक संदिग्ध शांति नगर,सुलभ कॉम्प्लेक्स के पास, रिंग रोड,इंदौर में में ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाला है। जिस पर क्राईम ब्रांच कायज्वाही में मुखबिर के बताये स्थान से आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा जिसने पूछताछ में अपना नाम मनोज चोकसे निवासी मुसाखेड़ी,आजाद नगर का बताया । आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (ब्राउन शुगर) मिला, जिसकी अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 10 लाख रुपए जप्त किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शहर में युवाओं को यह नशा उपलब्ध कराता था। इसके अलावा आसपास के इलाकों में भी नशा सप्लाइ करता था।

जिसे मानती राखी भाई उसने ही लूटी अस्मत

साथ में फैक्ट्री में काम करते हैं पीड़िता और आरोपी

इंदौर। एक युवती साथ में फैक्ट्री में काम करने वाले जिस युवक को अपना राखी भाई मानती थी उसने ही उसे धोखा देते हुए उसे बहाने से बुलाया और उसकी अस्मत लूट ली। साथ ही इस बारे में किसी को बताने पर पति की हत्या की धमकी भी दी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मामला शिप्रा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर अर्जुन निवासी गंगाघाटी मांगलिया पर केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि वह थाना क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में काम करने जाती है। अर्जुन भी वहीं पर काम करता है। वह उसे अपने राखी भाई मानती है। कभी शक नहीं हुआ कि वह उस पर बुरी नियत रखता है। गत दिनों अर्जुन ने फैक्ट्री में ही साथ मे फोटो खींचने के लिये बुलाया एंव जबरन पकड़कर मशीन के पीछे ले जाकर डरा धमकाकर उसकी अस्मत लूट ली। साथ ही धमकाया कि इस बारे में किसी को भी बताया तो उसके पति को जान से मार देगा। पहले तो डर के कारण पीड़िता चुप नहीं, लेकिन जब अर्जुन फिर से वही हरकत का कहने लगा तो परिजनों को सारी बात बताकर उसके खिलाफ केस दर्ज कराया। मामले में पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

धनतेरस पर इस बार डबल धमाल, खरीदारी करने पर होगा दोगुना फायदा

धनतेरस पर इस बार बेहद शुभ योग के निर्माण हो रहे हैं। माना जा रहा है कि इस बार धनतेरस दो दिन की होगी और इस वजह से धनतेरस पर दो दिन खरीदारी की जा सकेगी और यही वजह है कि आपकी संपत्ति में दोगुना लाभ होगा।

धनतेरस पर अबकी बार ऐसा संयोग बना है कि लोगों को दो दिनों तक भगवान धनवंतरी का आशीर्वाद मिलेगा क्योंकि इसबार शनिवार 22 अक्टूबर की शाम को ही 6 बजकर 5 मिनट से कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि लग रही है जिसे धनतेरस कहा जाता है। इसी दिन यमदीप भी जलाया जाता है। कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि 23 अक्टूबर को शाम 6 बजकर 3 मिनट तक रहेगी। इसलिए धनत्रयोदशी यानी धनतेरस 22 अक्टूबर की शाम से अगले दिन 23 अक्टूबर की शाम तक मनाई जा सकेगी। इस बार लोगों को खरीदारी के लिए 2 दिन मिलेंगे, इसलिए इस बार की धनतेरस लोगों के लिए डबल धमाल वाली यानी कि दोगुना लाभ देने वाली मानी जा रही है। जो कि धन संपत्ति के मामले में दोगुना लाभ करवा सकती है।

धनतेरस पर तिथियों के भ्रम के कारण जो लोग धनतेरस का व्रत रखते हैं या प्रदोष व्रत करते हैं उनको 23 अक्टूबर को व्रत रखना चाहिए, क्योंकि 23 तारीख की शाम को प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि व्याप्त रहेगी। 23 अक्टूबर को शाम के समय त्रयोदशी होने से इसी दिन धनत्रयोदशी और प्रदोष व्रत रखना शास्त्र सम्मत भी होगा।

धनतेरस पर धन वृद्धि योग

इस साल संयोग ऐसा बना है कि धनतेरस के दिन शनि मार्गी हो रहे हैं। इससे धनतेरस कई राशियों के जीवन में धन समृद्धि लाने वाला होगा। इस दिन से कई राशियों के जीवन में शुभ बदलाव आएंगे। संयोग यह भी है कि इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि नामक शुभ योग भी मौजूद रहेगा।

धनतेरस का महत्व

पौराणिक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रियोदशी के दिन भगवान धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। धनवंतरी भगवान विष्णु के ही अवतार हैं। दरअसल, दुनिया में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था। भगवान धनवंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस पूजा का शुभ मुहूर्त

23 अक्टूबर को शाम 05 बजकर 44 मिनट से 06 बजकर 05 मिनट तक रहेगा। प्रदोष काल का समय 23 अक्टूबर को शाम 5 बजकर 44 मिनट से रात 8 बजकर 16 मिनट तक और वृषभ काल का समय शाम 6 बजकर 58 मिनट से रात 8 बजकर 54 मिनट तक रहेगा।

नरक चतुर्दशी पर होती है यमराज की पूजा, जानें तिथि, शुभ मुहूर्त पूजा विधि

हिंदू धर्म में हर तिथि का अपना महत्व है. कार्तिक मास में नरक चतुर्दशी के दिन यमराज की पूजा का विधान है. आइए जानें इस साल कब मनाई जाएगी नरक चतुर्दशी और इस दिन का महत्व.

नरक चतुर्दशी का पर्व धनतेरस से अगले दिन मनाया जाता है. पांच दिवसीय पर्व दिवाली के दिनों में एख दिन नरक चतुर्दशी की पूजा का विधान है. इस दिन यमराज की उपासना की जाती है. इसे रूप चतुर्दशी या फिर नरक चौदस के नाम से भी जाना जाता है. यमराज के अलावा इस दिन श्री कृष्ण की पूजा और काली मां की पूजा भी की जाती है. इस बार नरक चतुर्दशी 23 अक्टूबर के दिन मनाई जाएगी. इस दिन पूजा करने से घर में शुद्धता और संपन्नता आती है.

पंचाग के अनुसार हर साल नरक चतुर्दशी का पर्व हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है. ग्रंथों में इस दिन श्री कृष्ण की पूजा का भी विधान है. इससे जुड़ी एक कथा के अनुसार नरकासुर नामक राक्षस का वध श्री कृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की मदद से किया था. मान्यता है कि जिस दिन नरकासुर का वध किया था, उस दिन नरक चतुर्दशी थी. इसलिए इस दिन श्री कृष्ण की पूजा का भी विधान है.

नरक चतुर्दशी तिथि और शुभ मुहूर्त 2022

हर साल नरक चतुर्दशी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है. इस बार कार्तिक चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ 23 अक्टूबर, 2022 को शाम 6 बजकर 03 मिनट से होकर 24 अक्टूबर 2022 शाम 5 बजकर 27 मिनट तक है. अत: नरक चतुर्दशी 23 अक्टूबर, रविवार के दिन मनाई जाएगी. इस दिन काली चौदस का मुहूर्त 23 अक्टूबर रात 11 बजकर 40 मिनट से 24 अक्टूबर 12 बजकर 31 मिनट तकत है. इस दिन पूजा की अवधि कुल 51 मिनट है.

नरक चतुर्दशी पूजा विधि

इस दिन सुबह सन्ना आदि के बाद साफ वस्त्र धारण कर लें. इसके बाद घर के ईशान कोण में पूजा करें. पूजा से पहले पंचदेवों की स्थापना करें. इसमें सूर्यदेव, गणेश जी, दुर्गा, शिव और विष्णु भगवान शामिल हैं. पूजा में सभी के सामने धूप जलाएं. मस्तक पर हल्दी या चंदन का तिलक लगाएं. नरक चतुर्दशी के दिन षोडशोपचार की सामग्री से पूजा करनी चाहिए. मंत्रों का जाप करते रहें.प्रसाद या नैवेद्य (भोग) लगाएं. इसके बाद घर के मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीपक जलाएं. इस दिन यम के नाम का भी एक दीपक जलाया जाता है. इस दिन घर के हर कोने में दीपक जलाएं.

धनतेरस पर इस मंत्र के जप से दूर होगी दरिद्रता

यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये। धनधान्य समृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा॥

धनतेरस के दिन कुबेर और लक्ष्मी पूजन के समय इस मंत्र के जप करने से दरिद्रता दूर होती है और धीरे-धीरे धन संबंधित समस्याएं दूर होने लगती हैं। ध्यान रहे इस मंत्र का जप दक्षिण दिशा की तरफ मुख करके ही करें और जप करते समय 11 कौड़ियां लाल कपड़े में अपने पास रखें। इस मंत्र का जप 108 बार कर सकते हैं।

धनतेरस पर इस मंत्र के जप से माता लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मयै नमः

धनतेरस से लेकर दिवाली तक हर शाम इस मंत्र का जप कमलगट्टे की माला से ही करें। जप संख्या तीनों दिन मिलकार कम से कम 1100 होना चाहिए। धनतेरस से लेकर दिवाली पूजन तक लक्ष्मी मां के नाम का अखंड ज्योत जलाएं और उसके सामने ही इस मंत्र का जप करें। इस मंत्र के जप से मनुष्य की धन प्राप्ति की चाहत पूरे होती है और कर्जों से भी मुक्ति मिलती है।

ACHIRA GREENS
A Smart Township
STARTING PRICE
सिल्वर 9.99/- लाख
गोल्ड 19.51/- लाख
Plot Size 20×30
YOUR CHANCE NOW
DREAM FULFILLED
YOUR DREAM
BUNGALOW
इच्छापुर
नेशनल हाईवे के समीप
IIT COLLEGE के नजदीक
तुरन्त रजिस्ट्री, तुरन्त पजेशन
बैंक लोन सुविधा उपलब्ध
8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

WWW.1BIGA.COM
SWEET
FARM HOUSE
SPECIAL OFFERS
मात्र
₹ 200/-
प्रति Sqft
Size - 27500 Sq.ft
Terms & Condition Apply
FEATURES
Covered RCC boundary wall with entrance gate.
24/7 Water supply.
24/7 Security.
24/7 Electricity supply.
100 Different types of fruit plants.
Solar light.
250 चन्दन के पेड़
SPECIAL OFFER
इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाइवे से 400 मी. की दूरी पर
Web. : www.1biga.com
More information call us
8889066688, 6268319125

BLACKBERRY HILL'S
PLAN YOUR
HOLIDAY IN
NATURAL
PLACES
SPECIAL
BONUS
OFFER
FEATURES
CCTV कैमरे एवं 24 घंटे सिक्योरिटी के साथ पूर्ण रूप से सुरक्षित
फाउंटेन, गजीबो, लैंड स्केपिंग गार्डन, जॉगिंग ट्रैक
सोलर स्ट्रीट लाइट एवं गार्डन लाइट
क्लब हाउस, स्वीमिंग पुल, मेडिटेशन रूम, गेम जोन
आउटडोर किचन और कॉटेज सुविधा के साथ।
फार्म लैंड मात्र
651/-
Sq.ft.
से शुरु
BANK LOAN AVAILABLE
8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

HANUMANTIYA JUNGLE RESORT
फार्म लैंड मात्र
299/- Sqft
से शुरु
तुरंत रजिस्ट्री
FEATURES
नदी किनारे पूरा फ्रंट
पीछे शानदार पर्वत
24/7 पानी ही पानी
सुप्रसिद्ध झिरी माता का मंदिर
पहाड़, पानी, पर्वत और नदिया सब एक ही जगह
अपना खुद का फार्म हाउस अब
हनुमंतिया जंगल रिसॉर्ट में भी...
BANK LOAN AVAILABLE
BENEFITS
रेल और बस सुविधा
किशोर कुमार दा की नगरी
प्रसिद्ध गुरुदेव धूनीवाले बाबा की नगरी
इंदौर इच्छापुर हाइवे से कुछ ही मिनटों की दूरी
सुरक्षित, किफायती, शहर से नजदीक, विकसित, सर्व सुविधा युक्त
8889066688,
6268319125
www.gatewayghar.in

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अख़बार

हैरान है पूरा बॉलीवुड, किसी ने सोचा नहीं था कि इतना बुरा हो सकता है परिणीति के साथ

बीते शुक्रवार को रिलीज हुई कोड नेमः तिरंगा के नतीजे ने बॉलीवुड को बहुत बड़ा झटका दिया है. कोरोना से पहले जिस तरह से नायिका प्रधान फिल्में चल रही थीं, कोरोना के बाद ठीक उल्टा हो रहा है. उनकी सफलता का ग्राफ लगातार नीचे आ रहा है. परंतु बीते शुक्रवार के वीकेंड का जो नतीजा आया है, वह एकदम निचले स्तर पर है. पहले दिन मात्र 25 लाख, दूसरे दिन 35 लाख और रविवार को करीब 40 लाख. कुल जमा एक करोड़ रुपये का टिकट खिड़की पर कलेक्शन हुआ, जो कभी ए लिस्ट एक्ट्रेस की दावेदार परिणीति चोपड़ा के लिए किसी बुरे सपने की तरह है. वह प्रियंका चोपड़ा जैसी स्टार की बहन हैं. उन्हें इसका खूब फायदा मिला. फिर यशराज फिल्म्स जैसे बैनर से उनकी शुरुआत हुई और पहली छह में से पांच फिल्में वहां से आईं. शुरुआती दो-तीन फिल्मों में उन्हें बैनर का लाभ और कामयाबी मिली. लेकिन इसके बाद जैसे ही यशराज का साथ छूटा और प्रियंका ने बॉलीवुड को अलविदा कहा, परिणीति का करियर उतार पर आ गया.

प्रोड्यूसर को करोड़ों का घाटा

वास्तव में कोड नेमः तिरंगा से साफ हो गया कि परिणीति सोले एक्टर के तौर फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर नहीं ले जा सकतीं और जब तक केसरी फिल्म वाले अक्षय कुमार जैसा स्टार उनके साथ न हो, उनके करियर का उठना मुश्किल है. कोड नेमः तिरंगा से पहले परिणीति के कंधे पर इंडिया की चैंपियन शटलर साइना नेहवाल की बायोपिक साइना का भी भार था. परिणीति फिल्म में साइना बनी थीं लेकिन फिल्म धूल में मिल गई. 26 करोड़ के बजट वाली फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर बमुश्किल तीन करोड़ रुपये कमाए थे. अब कोड नेमः तिरंगा में स्थिति और भी खराब है. निर्माताओं ने इस फिल्म के लिए टिकट रेट भी कम रखे थे, उसके बावजूद लोग देखने नहीं गए. ट्रेड के जानकारों का मानना है कि कोड नेमः तिरंगा का लाइफ टाइम बिजनेस साइना से भी कम डेढ़ करोड़ रुपये के ही आसापास रहेगा. परिणीति के करियर के लिए यह बहुत बड़ा झटका है.

डायरेक्टर भी नाकाम

यह फिल्म इसके निर्देशक रिभु दासगुप्ता के लिए भी लाल निशान से कम नहीं है. उन्होंने हिंदी में सबसे पहले अमिताभ बच्चन और नवाजुद्दीन सिद्दिकी के साथ तीन बनाई थी, जो फ्लॉप रही. इसके बाद उन्होंने शाहरुख खान की रेडचिलीज के लिए नेटफ्लिक्स के वास्ते बार्ड ऑफ ब्लड जैसी फ्लॉप वेबसीरीज बनाई. नेटफ्लिक्स पर ही परिणीति स्टारर उनकी रीमेक द गर्ल ऑन द ट्रेन को न दर्शकों ने पसंद किया और न समीक्षकों ने. अब अंत में उनकी कोड नेमः तिरंगा की बॉक्स ऑफिस पर यह दुर्गति. फिल्म के निर्माताओं रिलायंस एंटरटेनमेंट के लिए भी यह महीने भर के अंदर दूसरा बड़ा झटका है. इससे पहले उनकी बड़ी फिल्म विक्रम वेधा भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी लागत निकालने के लिए लड़खड़ाती रही.

कपिल देव ने की भविष्यवाणी, बोले- टीम इंडिया के सेमीफाइनल में पहुंचने के चांस महज इतने पर्सेंट हैं

महान क्रिकेटर कपिल देव ने भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि टीम इंडिया के टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में पहुंचने के चांस महज 30 पर्सेंट हैं, क्योंकि टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम मुकाबला हार सकती है।

1983 विश्व कप विजेता कप्तान और अपने दौर के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक कपिल देव का मानना है कि टी20 विश्व कप में टीम की सफलता टीम में मौजूद ऑलराउंडरों की संख्या पर निर्भर करती है। कपिल देव ने ये भी बताया है कि टीम इंडिया के ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के चांस कितने पर्सेंट हैं।

लखनऊ में एक प्रमोशनल इवेंट से इतर कपिल देव ने कहा, आप टीम में ऑलराउंडर चाहते हैं, जो न सिर्फ वर्ल्ड कप में, बल्कि बाकी मैचों या आयोजनों में भी टीम को मैच जिता सके। हार्दिक पांड्या जैसा क्रिकेटर भारत के लिए काफी उपयोगी रहा है। ऑलराउंडर किसी भी टीम के प्रमुख खिलाड़ी होते हैं और वे ही टीम की ताकत बनते हैं।

उन्होंने कहा, हार्दिक जैसा ऑलराउंडर कप्तान रोहित शर्मा को मैच में छठे गेंदबाज का इस्तेमाल करने की आजादी देता है। वह एक अच्छे बल्लेबाज, गेंदबाज और फील्डर भी हैं। रविंद्र जडेजा भी भारत के लिए एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। हमारे दिनों में भी, हमारे पास भारतीय टीम में बहुत सारे ऑलराउंडर थे।

टीम इंडिया की टी20 वर्ल्ड कप की संभावनाओं के लेकर उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में, एक मैच जीतने वाली टीम अगला मैच हार भी सकती है। भारत के विश्व कप जीतने की संभावनाओं के बारे में बात करना बहुत मुश्किल है। मुद्दा यह है कि क्या वे शीर्ष चार में जगह बना पाएंगे? और मैं उनके शीर्ष चार में जगह बनाने को लेकर चिंतित हूं, तभी कुछ कहा जा सकता है। मेरे लिए भारत के शीर्ष (अंतिम) चार में जगह बनाने की संभावन बस 30त्न है।

जय शाह के बयान से बौखलाया पाकिस्तान, भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पीछे हटने की दी धमकी!

भारत और पाकिस्तान के बीच 23 अक्टूबर को होने वाले मैच से पहले दोनों देशों के बोर्ड आमने-सामने हैं. जय शाह ने एशिया कप के लिए टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने पर मनाही की बात की तो अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से इसपर रिएक्शन आया है.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह के एक बयान से पाकिस्तान को मिर्ची लगी है. जय शाह ने कहा है कि भारत साल 2023 में होने वाले एशिया कप के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगा, जिसके बाद अब पाकिस्तान की ओर से जवाब दिया गया है. पाकिस्तान का कहना है कि अगर ऐसा होता है तो वह अगले साल भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से अपना नाम वापस ले लेंगे.

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि भारत के इस बयान के बाद पाकिस्तान कड़े फैसले लेने को तैयार है, लेकिन वह आईसीसी और एसीसी के नियमों का भी खयाल रखेगा. इतना ही नहीं भारत के एशिया कप के लिए पाकिस्तान ना आने के फैसले पर पीसीबी का कहना है कि वह भी वनडे वर्ल्ड कप से अपना नाम वापस ले सकता है, जो 2023 में भारत में होना है.

शिवरात्रि से गुड़ी पड़वा तक श्री महाकाल लोक के कार्यक्रम आयोजित होंगे

श्री महाकाल लोक श्रद्धा, आस्था पवित्रता और प्रेरणा का स्थल - मुख्यमंत्री श्री चौहान

दीपावली पर श्री महाकाल लोक दीपों से जगमगाये एवं एक दीया महाकाल लोक में भी जलायें

सृष्टि की रक्षा के लिये शिव ने हलाहल विष का पान किया

मुख्यमंत्री ने साधु-सन्तों एवं आयोजन समिति के सदस्यों पर आभार प्रदर्शन स्वरूप की पुष्प-वर्षा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि श्री महाकाल लोक की रचना अद्भुत एवं अद्वितीय है। इसकी ख्याति देश-विदेश में है। यह ईश्वर की अनुपम कृति है। श्री महाकाल लोक का और अधिक प्रचार-प्रसार करने और इसे देश-विदेश में आमजन तक पहुँचाने के लिये अब उज्जैन में शिवरात्रि से गुड़ी पड़वा तक कार्यक्रम किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री महाकाल लोक के विषय में लोग अधिक से अधिक जानें, इसके लिये वे स्वयं देश के प्रमुख लोगों को इसके दर्शन के लिये पत्र और महाकाल का प्रसाद भी भेजेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंगलवार को कालिदास अकादमी में श्री महाकाल लोक की आयोजन समिति के सदस्यों एवं साधु-सन्तों के आभार प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी साधु-सन्तों एवं समिति सदस्यों का आभार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आप सबके प्रयासों से श्री महाकाल लोक का लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथो सम्पन्न हुआ है। मुख्यमंत्री ने आभार स्वरूप साधु-सन्तों एवं आयोजन समिति के सदस्यों पर पुष्प-वर्षा की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक श्रद्धा, आस्था, पवित्रता एवं प्रेरणा का स्थान है। महाकाल लोक पिकनिक स्पॉट नहीं है। हम सब ऐसा प्रयास करें कि महाकाल के दर्शन करने वाले अपने मन में श्रद्धा एवं भक्ति का भाव लेकर श्री महाकाल लोक के दर्शन भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान भोले शंकर मेरे आदर्श हैं। उन्होंने सृष्टि को बचाने के लिये अपने को दाँव पर लगाते हुए हलाहल विष का पान किया। श्री महाकाल लोक में शिव महिमा एवं हमारी धार्मिक आस्थाओं का पत्थर पर चित्रण है। भित्ति चित्रों से महाकाल लोक में आने वाली हमारी पीढ़ी हमारी धार्मिक परम्परा एवं आस्था से परिचित हो सकेगी। श्री महाकाल लोक में सृष्टि की उत्पत्ति, शिप्रा का उद्भव एवं शिव महिमा को बहुत ही सुन्दर तरीके से उकेरा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब श्री महाकाल लोक के संचालन के लिये विस्तृत कार्य-योजना बनाई जायेगी। उन्होंने आयोजन समिति से सुझाव भी आमंत्रित किये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भगवान महाकाल सर्वोपरि हैं। हम सब उनके सेवक हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली के दिन श्री महाकाल लोक दीपों से जगमगाये। सभी लोग महाकाल लोक के नाम पर एक दीया जरूर जलायें। सब पवित्रता एवं श्रद्धा का भाव बनाये रखें और अपने मन में कभी भी नकारात्मकता का भाव न लायें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक की पवित्रता बनी रहे, परिसर स्वच्छ एवं व्यवस्थित रहे। साथ ही हमारी जो धार्मिक परम्परा है, वह न टूटे। उन्होंने कहा कि महाकाल लोक प्रेरणा लेने का एक पवित्र स्थल है। आने वाले दिनों में गाँवों से भी लोगों को यहाँ का भ्रमण कराया जायेगा। गाँव से आने वाले श्रद्धालु अपने गाँव से जल लाकर रूद्र सागर में प्रवाहित कर पवित्र जल से श्री महाकाल का अभिषेक करेंगे। इसके लिये विस्तृत कार्य-योजना भी बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि महाकाल लोक का लोकार्पण व्यवस्थित एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम था। आज तक ऐसा कार्यक्रम देश में नहीं हुआ है। यह हमारे लिये पूर्ण विराम नहीं है। अब हम श्री महाकाल लोक के दूसरे चरण का कार्य भी शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में श्री महाकाल लोक के समीप एक हजार कमरों की धर्मशाला भी बनाई जायेगी। धर्मशाला बनने से निम्न और मध्यम वर्ग के लोगों को कम कीमत पर ठहरने की सुविधा मिलेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज मुख्यमंत्री श्री चौहान सौगातों का पिटारा लेकर आये हैं। पहली बार उज्जैन जिले में दशहरे की सवारी शाही अंदाज में निकाली गई। सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान का उज्जैन को विश्व में धार्मिक एवं पर्यटन की नगरी बनाने का सपना आज पूरा हो गया है।

आयोजन समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को श्री महाकाल लोक के रख-रखाव एवं सुचारू संचालन संबंधी सुझाव दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी सुझावों पर विचार किया जायेगा।

पत्रकार श्री शैलेंद्र कुल्मी ने सुझाव दिया कि श्री महाकाल लोक अद्वितीय एवं भव्य है। इसकी गुणवत्ता को आगे भी बरकरार रखने की आवश्यकता है। श्री दिनेश श्रीवास्तव ने कहा कि श्री महाकाल लोक की सुरक्षा किसी कमर्शियल एजेंसी के स्थान पर जन-अभियान परिषद से की जाये। श्री घनश्याम शर्मा ने श्री महाकाल लोक परिसर के आसपास भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने का सुझाव दिया। श्री नीलेश ने श्री महाकाल लोक के रख-रखाव के लिये पृथक से एक आईएएस अधिकारी की नियुक्ति करने का मशवरा दिया। एक अन्य नागरिक ने कहा कि श्री महाकाल लोक भ्रमण के लिये कड़े नियम बनाये जायें। हमारी आस्था को भंग करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाये। श्री रूप पमनानी ने कहा कि जिस तरह विदेश से आने वाले राजनयिक ताज महल देखने जाते हैं, उसी तरह विदेशी राजनयिकों के कैलेंडर में श्री महाकाल लोक के दर्शन भी शामिल रहें, ऐसा प्रयास किया जाये।

श्री महाकाल लोक की आयोजन समिति के विचार-विमर्श एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम में आचार्य श्री शेखर महाराज, महन्त श्री रामेश्वरदास, श्री विनीत गिरि महाराज, श्री सरस्वती महाराज, श्री उमेशनाथजी महाराज, श्री सुरेंद्र अरोरा, विधायक श्री पारस जैन, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुंवर, उपाध्यक्ष शिवानी कुंवर सहित जन-प्रतिनिधि, आयोजन समिति सदस्य एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अतिथि गृह का लोकार्पण एवं मेघदूत वन गार्डन का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को जेके सीमेंट कंपनी द्वारा बनाये गये अतिथि गृह का लोकार्पण किया। अतिथि गृह श्रद्धालुओं के लिये बनाया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान को श्री महाकालेश्वर का मोमेंटो भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री महाकाल लोक परियोजना के दूसरे चरण में मेघदूत वन का भूमि-पूजन किया। मेघदूत वन के बनने के बाद यहाँ प्रवचन के कार्यक्रम, भजन संध्या एवं धार्मिक कार्यक्रम किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कारीगरों का सम्मान कर उनके साथ भोजन किया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन में श्री महाकाल लोक के निर्माण में अलग-अलग कार्यों के लिये लगे शिल्पकार एवं अन्य कार्य करने वाले कारीगरों का आत्मीय सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने प्रतीक स्वरूप त्रिवेणी संग्रहालय के ऑडिटोरियम में श्रम एवं रचनात्मकता के श्रेष्ठ कार्य करने वाले कारीगरों में से 25-30 कारीगरों का माला पहना कर स्वागत कर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि पसीना बहाने वाले कारीगरों का नाम सदैव याद किया जायेगा। श्री महाकाल भगवान की कृपा और कारीगरों के पसीने से अलौकिक रूप से निर्मित महाकाल लोक को देश-दुनिया में प्रशंसा मिल रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कारीगरों से कहा कि उन्होंने दिन-रात कड़ी मेहनत कर प्रथम चरण के निर्माण कार्यों को पूर्ण किया, उनका आत्मीय स्वागत और अभिनन्दन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे द्वारा किया गया सम्मान मेरे अकेले का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की जनता द्वारा कारीगरों का किया गया सम्मान है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक के दूसरे चरण के कार्य अब प्रारम्भ होंगे। महाकाल की नगरी में निरन्तर काम चलते रहेंगे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि इतिहास में पहली बार श्रमिकों, कारीगरों का मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा सम्मान किया जा रहा है, यह हमारे लिये गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सभी कारीगरों के साथ सहभोज में भी शामिल हुए।

भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंगलवार को अपने उज्जैन प्रवास के दौरान भगवान महाकालेश्वर के मन्दिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। पूजा पं.प्रदीप पुजारी एवं श्री यश पुजारी ने कराई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भगवान महाकालेश्वर से प्रदेशवासियों की मंगल-कामना की।

श्री महाकाल लोक का भ्रमण किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नव-निर्मित श्री महाकाल लोक का भ्रमण किया। सांसद श्री अनिल फिरोजिया द्वारा चलित इलेक्ट्रॉनिक वाहन में बैठ कर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री महाकाल लोक में निर्मित कलाकृतियों का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री महाकाल लोक के अनुपम सौन्दर्य का अवलोकन करने विभिन्न स्थानों से आये श्रद्धालुओं से चर्चा की और श्री महाकाल लोक के अदभुत सौन्दर्य एवं पत्थरों पर उकेरी गई कलाकृतियों की जानकारी देकर उनसे फीडबेक भी लिया। श्रद्धालुओं ने श्री महाकाल लोक की प्रशंसा करते हुए बताया कि महाकाल लोक अद्वितीय एवं अनुपम है। यहाँ से जाने के बाद वे अपने परिचित एवं स्वजनों को श्री महाकाल लोक की अनुभव यात्रा के बारे में बता कर उन्हें यहाँ एक बार अवश्य आने के लिये प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री महाकाल लोक का अनुभव मन में श्रद्धा का भाव लाकर करें। इससे श्री महाकाल लोक की अनुभूति दोगुनी हो जायेगी।

दूसरे चरण के निर्माणाधीन कार्यों का अवलोकन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री महाकाल लोक के विस्तारीकरण के दूसरे चरण के निर्माणाधीन कार्यों का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के इंजीनियर ने मुख्यमंत्री को निर्माणाधीन कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने दूसरे चरण में बनने वाले शिखर दर्शन, ध्यान कक्ष, छोटे रूद्र सागर के जीर्णोद्धार, महाराजवाड़ा हेरिटेज धर्मशाला का निरीक्षण किया और निर्माणाधीन कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान महाकालेश्वर की कृपा से प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। दूसरे चरण में निर्माणाधीन कार्य भी शीघ्र ही पूर्ण होंगे। 'श्री महाकाल लोक' शीघ्र ही 'महालोक' के रूप में परिवर्तित होगा और 47 हेक्टेयर का विशाल परिसर दिव्य और अलौकिक ऊर्जा का केन्द्र भी बनेगा।

नशामुक्ति के लिए प्रदेश में कसावट

तम्बाकू उत्पाद अधिनियम COTPA में संशोधन जारी

प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भोपाल में कहा है कि हुक्का बार और लॉउंज पर सख्ती से रोक लगाने के लिए सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध और व्यापार तथा वाणिज्य उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम-2003 में संशोधन किया जा रहा है। नशा मुक्ति अभियान में 3800 केसों में 4416 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। डॉ. मिश्रा ने बताया कि ष्टह्रञ्जक्र में संशोधन कर हुक्का बार और लॉउंज को प्रतिबंधित कर इसे संचालित करने वालों के खिलाफ 50 हजार रु. से लेकर एक लाख रु. तक के जुर्माना किया गया। इसमें और न्यूनतम एक से 3 साल तक की सजा का प्रावधान प्रस्तावित है। वर्तमान में ष्टह्रञ्जक्र में हुक्का बार एवं लॉउंज संचालित करने वालों के खिलाफ धारा 144 में कार्यवाही की जाती है। प्रदेश में अब तक सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 4 हजार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 1800 लोग के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। नशा मुक्ति अभियान में अब तक 1 लाख लीटर अवैध शराब जब्त कर 13 हजार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एनडीपीएस एक्ट में 205 आरोपियो से 2729.596 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। सिंगरौली में 180 हरे गांजे के पेड़ जब्त किए गए।। उज्जैन में 500 लीटर लहान जब्त कर नष्ट की गई।

सहज योग की शुरुआत कर रहे हैं तो ध्यान रखें ये 5 बातें

माता निर्मला देवी द्वारा विकसित सहज योग मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह मुख्य रुप से आत्म बोध का प्रचार है जिससे कुंडलिनी जागृत होकर व्यक्ति के व्यक्तित्व में निखार लाती है।

सहज योग की खोज निर्मला श्रीवास्तव ने की, श्री माता जी निर्मला देवी के नाम से भी जाना जाता हैं। सहज योगा में कुंडलिनी जागरण व निर्विचार समाधि, मानसिक शांति से लोगों को आत्मबोध होता है और अपने आप को जानने में मदद मिलती है। माता निर्मला देवी द्वारा विकसित इस योग को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद फायदेमंद माना जाता है।

सहज योग क्या है

सहज योग में आसान मुद्रा में बैठकर मेडिटेशन किया जाता है। इसका अभ्यास करने वाले लोगों को ध्×52द्ध;यान के दौरान सिर से लेकर हाथों तक एक ठंडी हवा का एहसास होता है। सहज योगा केवल एक क्रिया का नाम नहीं हैं, बल्कि यह एक तकनीक भी है। यह मुख्य रुप से आत्म बोध का प्रचार है जिससे कुंडलिनी जागृत होकर व्यक्ति के व्यक्तित्व में निखार लाती है

क्या कहते हैं शोध

यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी मेडिकल स्कूल में मनोचिकित्सा विभाग के वरिष्ठ व्याख्याता रमेश मनोचा ने सहज पर किए शोध में पाया कि सामान्य लोगों की तुलना में उन लोगों की मानसिक और शारीरिक सेहत ज्यादा अच्छी थी, जिन्होंने कम से कम दो वर्षों तक सहज योग को आजमाया था।

सहज शब्द की उत्पति

हज शब्द संस्कृत के दो शब्दों को जोड़ कर बना है, सह का अर्थ है साथ और जा का अर्थ है जन्म। जब यह दोनों शब्द एक साथ मिल जाते हैं तो इसको अर्थ प्रकृति के करीब हो जाता है। सहज योग के अनुयाईयों का विश्वास है कि इससे उनके अंदर कुंडलिनी का जन्म होता है और वे उन्हें स्वतः जागृत कर सकते हैं। इस लाइड शो में सहज योग से होने वाले फायदे के बारे में जानिए

सामान्य स्वास्थ्य के लिए

चिकित्सकों ने सहज योगा के अन्य प्रभावों के बारे में भी बताया है। उनके अनुसार योग को करने से लोगों में शारीरिक व मानसिक तनाव से मुक्ति व आराम मिलता है। साथ ही शरीर में होने वाली बीमारियों को जड़ को खत्म किया जा सकता है

बीमारियों में लाभकारी

शोधकर्ताओं के मुताबिक मौन की यह प्रक्रिया कायिक और मानसिक स्वास्थ्य के कई रास्ते खोलती है। सहजयोग के नियमित अभ्यास से कैंसर, ब्लड प्रेशर, हाइपर टेंशन और हृदय के रोगियों को भी लाभ हुआ है।

विद्यार्थियों के लिए फायदेमंद

खासकर विद्यार्थियों के लिए तो योग अमृत के समान है। जो विद्यार्थी योग को अपने जीवन में नियमित रूप से शामिल करते हैं वे न केवल पढ़ाई में अव्वल आते रहते हैं, साथ ही अन्य गतिविधियों में भी उनका कोई मुकाबला नहीं रहता

तनाव से मुक्ति

सहज योगा से दिमाग को शक्ति मिलती है। इस योगा से व्यक्ति को आसपास के तनाव, दिनभर की थकान व अपने गुस्से को नियंत्रित करने में आसानी होती है। जिससे नींद में भी सुधार होता है।

एकाग्रता

सहज योग से लोगों में एकाग्रता बढ़ती है और जो वे जीवन में हासिल करना चाहते है आसानी से कर सकते हैं। इसलिए नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में सहज योग को शमिल करें

संचार कौशल

सहज योगा के नियमित अभ्यास से संचार कौशल में सुधार होता है जिससे आप लोगों से अच्छी तरह से पेश आते हैं। साथ ही दूसरों के साथ बेहतर रिश्ते जोड़ने में मदद मिलती है।

नगर निगम की कार्रवाई

सड़क की 20 हजार वर्गफीट जमीन पर बना दिया मैरिज गार्डन, निगम ने तोड़ा

20 हजार वर्गफीट जमीन पर अतिक्रमण कर बनाए गए मैरिज गार्डन को सोमवार को नगर निगम के अमले ने तोड़ दिया। जोन 10 के तहत कनाड़िया से खजराना मंदिर तक आरई-2 सड़क के लिए आरक्षित जमीन पर यह अवैध निर्माण किया गया था। नफीस बेकरी के अब्दुल रईस द्वारा इस पर क्राउन कम्युनिटी हॉल बनाया जा रहा था।

निगम ने गार्डन की दीवार से लगी दुकानों को भी तोड़ दिया। निगम ने कई बार नोटिस दिए, लेकिन सामने वाले पक्ष ने जवाब नहीं दिया। निगमायुक्त प्रतिभा पाल के निर्देश पर उपायुक्त लता अग्रवाल, बबलू कल्याणे सहित अमले ने कार्रवाई की। इस कार्रवाई को लेकर कलेक्टर मनीष सिंह ने कहा कि यदि कोई अवैध निर्माण करेगा तो कार्रवाई होना ही चाहिए।

जहां तक जानकारी मिली है मंजूर भांग वाला मुजाहिद खान उसी परिवार का आदमी है। नफीस बेकरी के बारे में सूचना थी कि भांग माफिया मुजाहिद खान से भी संबंध सामने आया है। बिना अनुमति के निर्माण पर कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर में क्राइम ब्रांच ने तस्कर को पकड़ा, 100 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त

इंदौर, । शहर की क्राइम ब्रांच पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत कार्यवाही करते हुए नशीले पदार्थ की तस्करी करते हुए एक आरोपित को पकड़ा। आरोपित ने इंदौर सहित आसपास के क्षेत्र में नशीले पदार्थ ब्राउन शुगर की तस्करी करने की बात स्वीकार की है। आरोपित के कब्जे से क्राइम ब्रांच ने 100 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। पुलिस के अनुसार इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 लाख रुपये बताई गई है।

उल्लेखनीय है कि पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर हरिनारायणचारी मिश्र द्वारा इंदौर कमिश्नरेट में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के लिए आपरेशन प्रहार अंतर्गत कड़ी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) राजेश हिंगणकर द्वारा पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) निमिष अग्रवाल एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) गुरूप्रसाद पाराशर को अवैध मादक पदार्थों की खरीदी बिक्री के संबंध मे पतारसी एवं निगरानी हेतु निर्देशित किया गया हैं। जिसके तारतम्य में आरोपियों पर आवश्यक कार्यवाही हेतु क्राइम ब्रांच की टीमों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं ।

टीआई बच्चों को दे रहे नशे से दूर रहने की समझाइश

इंदौर। इन दिनों नशामुक्ति अभियान रोजाना जागरूकता के साथ चलाया जा रहा है। अभियान के तहत महू, बडगोंदा, मानपुर और किशनगंज थाने में आने वाली स्कूलों में बच्चों और स्कूल प्रबंधकों को समझाइश दी जा रही है।

सोमवार को बडगोंदा थाना प्रभारी भरत सिंह ठाकुर द्वारा निजी स्कूलों में जाकर छात्रों व स्कूल बस के ड्राइवरों और कंडक्टरों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही नशे से दूर रहने की समझाइश दी गई। इसके साथ ही उन्हें शपथ भी दिलाई की हम सब मिलकर प्राण लेते हैं की हम किसी भी प्रकार का नशा नही करेंगे। वही दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने एवं चार पहिया वाहन मे सफर करते समय सीट बैल्ट लगाने की समझाइश दी गई।

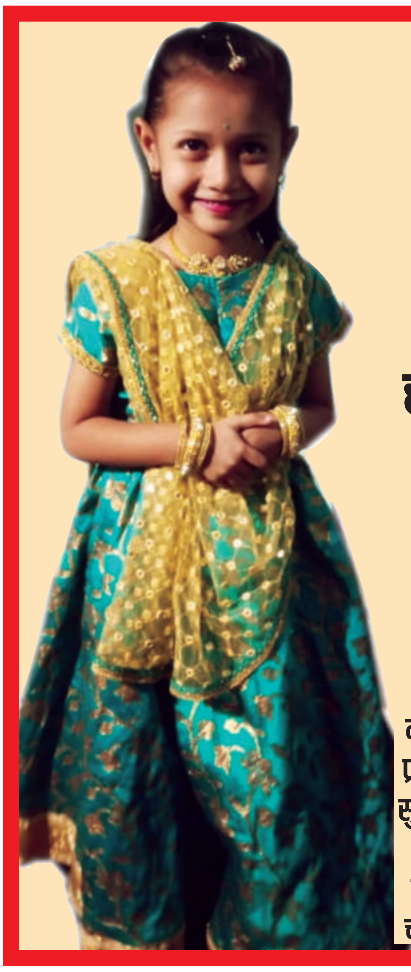

हमारी लाडली बिटिया महेशी चौहान (मिष्ठी) को जमन्दिन हार्दिक- हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बधाईकर्ता- कौस्तुभ चौहान(दादा), मीना चौहान(दादी), अंकित चौहान, अमित चौहान, मोहित, अश्विन, कनक, प्रणव, इशेन्दु, यश, योग, सुधांशु, प्रियंका, राम, हर्ष, अनुष्का, जिया, अदिति, पारी, गुनगुन व समस्त चौहान व सुनहरे परिवार।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)